प्रकाशन तिथि : 01 मई, 2024
प्रेषण तिथि : 04 मई, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 04 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

अस्मिता महासम्मेलन में समाज के आक्रोश की अभिव्यक्ति

गुजरात में राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पुरुषोत्तम रूपाला की ओर से क्षत्रिय समाज के बारे में की गई टिप्पणी के विरोध में 14 अप्रैल को राजकोट जिले के रतनपर गांव में क्षत्रिय समाज का महासम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें पूरे गुजरात के अलावा राजस्थान और महाराष्ट्र से भी लाखों की संख्या में समाजबंधु एकत्रित हुए और भारतीय जनता पार्टी द्वारा समाज के प्रति अपनाए जा रहे उपेक्षापूर्ण और अपमानजनक रवैये के प्रति अपने आक्रोश को अभिव्यक्ति दी। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

अपने आक्रोश को शक्ति में बदलें: सरवड़ी

(संघशक्ति में जयपुर शहर की मातृशक्ति की बैठक का आयोजन)

नारी अपने आप में एक शक्ति है। लेकिन वह शक्ति काम में आए, इसकी आवश्यकता है। उस शक्ति को काम में लेने के लिए बहुत कुछ करना पड़ेगा। मात्र किसी बात के प्रति आक्रोश प्रकट कर देना, इसी में शक्ति का सदुपयोग नहीं है। किसी ने कोई गलत बात बोली उसके प्रति हम आक्रोशित हो गए लेकिन और भी कई बातें हैं, जिनके बारे में हमें सोचना पड़ेगा।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

क्षत्रिय होने के अर्थ और महत्त्व को समझें: संघप्रमुख श्री

(गुजरात के गांधीनगर में हुआ सामंत सिंह बिहोला की प्रतिमा का अनावरण)

यह बड़े हर्ष का विषय है कि आज एक ऐसा पुण्य अवसर हमारे सामने आया है कि भगवान राम, जो हमारे पूर्वज हैं, उनकी जन्म जयंती के अवसर पर एक इतिहास पुरुष सामंत सिंह जी बिहोला की मूर्ति अनावरण समारोह हम मना रहे हैं। हमने धीरज पूर्वक हमारे राजनीतिक पुरोधाओं के उद्बोधन को सुना, हमारे संतगणों का आशीर्वचन हमने प्राप्त किया, एक स्नेहमिलन के रूप में हम सब यहां परिवार की भांति एक साथ बैठे हैं। लेकिन यह स्नेह मिलन है क्या? इतिहास पुरुष के रूप में सामंत सिंह जी को हम याद क्यों कर रहे हैं और क्या आवश्यकता पड़ गई कि हम उनकी मूर्ति की स्थापना कर रहे हैं? इन सभी बातों पर यदि हम चिंतन नहीं करेंगे तो इस तरह साथ बैठने का कोई महत्व नहीं रहेगा। इसलिए हमको चिंतन करना पड़ेगा कि इस प्रकार के इतिहास पुरुषों को क्यों याद किया जाता है, क्यों ऐसे स्नेह मिलन आयोजित किए जाते हैं। हमको जानना होगा कि हम कौन हैं। हम कोई साधारण मनुष्य नहीं है। हमको समझना होगा कि भगवान ने हमको कहां जन्म दिया है। जब हम अपनी पहचान करेंगे तो हमको पता चलेगा कि हमको भगवान ने क्षत्रिय कुल में जन्म दिया है और इस क्षत्रिय कुल में जन्म देकर भगवान ने हमको एक महत्वपूर्ण अवसर दिया है। कोई भी व्यक्ति मनचाही जगह जन्म नहीं ले सकता है, बल्कि उसके कमार्नुसार ही उसे जन्म मिलता है। भगवान ने हमको क्षत्रिय कुल में जन्म दिया है तो इसके पीछे किसी न किसी प्रकार का हेतु है, उद्देश्य है। वह उद्देश्य क्या है, उसको हमें समझना होगा।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

जम्मू में सभा का आयोजन कर जताया आक्रोश

जम्मू में बिक्रम चौक पुल के निकट स्थित महाराजा हरिसिंह जी की प्रतिमा के पास 22 अप्रैल को युवा राजपूत सभा के तत्वावधान में एक सभा रखी गई जिसमें गुजरात में राजकोट लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी पुरुषोत्तम रुपाला के क्षत्रिय समाज के बारे में दिए गए बयान पर विरोध जताया गया। सभा के अध्यक्ष विक्रम सिंह विक्की ने कहा कि इस प्रकार के बयान दुर्भाग्यपूर्ण हैं और आपसी भाईचारे को चोट पहुंचाने वाले हैं। राजनीतिक दलों को ऐसे बयानों पर जवाबदेही तय करनी चाहिए और यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो उन्हें परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। राजन सिंह हैप्पी ने वर्तमान आरक्षण प्रणाली की समीक्षा की आवश्यकता जताई और कहा कि राजनीतिक औचित्य की अपेक्षा समाज और देश की वास्तविक आवश्यकता के दृष्टिकोण से आरक्षण प्रणाली में परिवर्तन किया जाना चाहिए।

श्री राजपूत सभा भवन में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

श्री राजपूत सभा के तत्वावधान में सप्तम सामूहिक विवाह सम्मेलन झ 2024 का आयोजन 17 अप्रैल को जयपुर स्थित श्री राजपुत सभा भवन में किया गया। इस सम्मेलन में 21 नवदंपति विवाह सूत्र में बंधे। श्री राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रताप सिंह चौहान (अध्यक्ष, श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटू श्याम जी), श्रवण सिंह बगड़ी (प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष), रामचरण बोहरा, गहलोत राजपूत सभा मॉरीशस के विन रघुनाथ सहित अनेक गणमान्य लोगों ने सम्मेलन में शामिल होकर नव दंपतियों को शुभकामनाएं दीं।

भिवानी में हुआ वीर विक्रमादित्य चौक का अनावरण

हरियाणा के भिवानी में निनाण बाईपास चौक पर सम्राट विक्रमादित्य चौक का अनावरण भारतीय नव संवत्सर 2081 के प्रथम दिन (9 अप्रैल) को किया गया। विक्रमी संवत फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम हवन का आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विक्रमी संवत फाउंडेशन ट्रस्ट के चेयरमैन वेदपाल प्रधान, जगदेव परमार, कप्तान सिंह मानहेरू, सुरेंद्र सिंह तंवर सैय, संदीप सिरसा, उदयपाल सिंह हिंडौल, वीरेंद्र सिंह सांकरोड, नेत्राल सिंह तंवर, सतीश परमार चांगिया, आर पी सिंह, नरेंद्र परमार, अमित पिलाना, कर्मवीर सिंह तिगड़ाना, दिनेश शेखावत, कुलदीप सिंह परमार, उदयपाल सिंह परमार, उदयवीर सिंह तंवर, जयवीर सिंह बौंद, कमल सिंह आदि वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभी ने वीर विक्रमादित्य से प्रेरणा लेते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा करने की बात कही और समाज में संगठन के महत्त्व पर बल दिया। कर्नल जगदीश सिंह तंवर ने कार्यक्रम की अधक्षता करते हुए सभी का आभार जताया। संदीप सिंह परमार और मानसिंह परमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। वीर विक्रमादित्य सेवा संगठन के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था का जिम्मा संभाला। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों ने भी व्यवस्था में सहयोग किया।

डूंगरी (रानीवाड़ा) में सामाजिक सौहार्द की पहल

जालौर जिले की रानीवाड़ा तहसील के डूंगरी गांव में राजपूत समाज द्वारा भील परिवार की कन्या के विवाह की व्यवस्था करके सामाजिक सौहार्द की अनुकरणीय पहल की गई। भील परिवार के मुखिया मफाराम की मृत्यु के पश्चात परिवार में कोई कमाने वाला ना होने से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो चुकी थी। ऐसे में गांव के भोज सिंह पुत्र मोहब्बत सिंह देवड़ा ने मफाराम की पुत्री के विवाह की व्यवस्था अपने कृषि फार्म पर करवाई और शादी का पूरा खर्च भी उठाया। 18 अप्रैल को संपन्न हुए इस विवाह समारोह में सभी ग्रामवासी सम्मिलित हुए और देवड़ा परिवार की इस पहल की सराहना की।

इंदौर में निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन

मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थित राजपूत धर्मशाला मैदान में 18 अप्रैल को श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासंघ (पंजीकृत) के तत्वावधान में 14 राजपूत कन्याओं का निःशुल्क सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। संस्था की ओर से सभी जोड़ों को उपहार भी दिए गए। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्द्धन के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की महिला शाखा का होली स्नेहमिलन

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की महिला शाखा का होली स्नेहमिलन 9 अप्रैल को भीलवाड़ा में आयोजित हुआ। महिला शाखा की जिलाध्यक्ष माया राठौड़ ने बताया कि संस्था की राष्ट्रीय संरक्षिका जयासिंह जूदेव, राष्ट्रीय अध्यक्ष भंवर कंवर शेखावत के निर्देशानुसार आयोजित इस स्नेहमिलन के दौरान फागोत्सव मनाया गया, गणगौर की पूजा की गई और साथ ही महारास का आयोजन भी किया गया। सभी ने पुष्पों से होली खेली एवं कृष्ण भजनों का गायन किया। राजपूत संस्कृति एवं परंपरा से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। मातृशक्ति ने आपसी चर्चा में सामाजिक कुरीतियों को मिटाने में सहयोगी बनने और पारिवारिक व सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक दिखावे की प्रवृत्ति को रोकने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन टीना कंवर ने किया।

हिम्मत सिंह राठौड़ ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

पूर्व पैरा कमांडो हिम्मत सिंह राठौड़ ने विश्व में सबसे तेजी से आरोही व अवरोही क्रम में सीढ़ियां चढ़कर 40 किलोमीटर की दूरी तय करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। 23 मार्च को जयपुर के खातीपुरा पुलिया की सीढ़ियों पर मात्र 19 घंटे 46 मिनट 16 सैकंड में 20 किमी आरोही और 20 किमी अवरोही क्रम में सीढ़ियां चढ़कर उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया। इससे पूर्व 24 घंटे में सबसे बड़ी ऊर्ध्वाधर सीढ़ी चढ़ाई (18.713 किमी) का रिकॉर्ड 1 जुलाई 2023 को टोलेडो, स्पेन में क्रिश्चियन रॉबर्टो लोपेज रोड्रिग्ज द्वारा बनाया गया था, जिसे हिम्मत सिंह ने तोड़ा। अजमेर के मूल निवासी हिम्मत सिंह 2023 में साउथ एशियन यूथ गेम कोलंबो में मार्शल आर्ट (कूंडू फाइट्स) में स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं।

दो दिवसीय विशेष शिविर में किया मथुरा-वृंदावन का भ्रमण

जयपुर के स्वयंसेवकों का मथुरा-वृंदावन का दो दिवसीय विशेष भ्रमण शिविर 27-28 अप्रेल को माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सानिध्य में संपन्न हुआ जिसमें 42 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। 27 अप्रैल को संघशक्ति से बस द्वारा सभी मथुरा के लिए रवाना हुए। मार्ग में श्री बालाजी में जलपान किया एवं मथुरा पहुंचकर रमणरेती आश्रम में महाराज जी के दर्शन कर भोजन प्रसाद ग्रहण किया। रमण रेती में रेत से स्नान करते हुए भक्तों को देखा व इसके बाद चौरासी खंभा प्राचीन मंदिर व चिन्ताहरण घाट पर महादेव जी मंदिर के दर्शन किए। ब्रह्माण्ड घाट, जहाँ श्री कृष्ण के मुख से ब्रह्माण्ड का दर्शन हुआ था, के दर्शन के बाद संध्या आरती में यमुना जी का भव्य रुप देखने को मिला। रात्रिकालीन कार्यक्रम में माननीय संघप्रमुख श्री द्वारा संघ के अष्टसुत्री कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक को इस अष्टसूत्री कार्यक्रम का पालन करना चाहिये जो निम्न प्रकार से है -

1. शौच (शुद्धि, सूर्योदय से पूर्व शौच, स्नान आदि से निवृत्त हो जाना चाहिये)
2. संध्या (उपासना की नियमितता और निरंतरता)
3. श्रम (परिश्रम करना, निठल्ला नही बैठना)
4. सेवा (अपने अतिरिक्त किसी अन्य के निमित्त परिश्रम करना)
5. स्वाध्याय (सद्सहित्य का पठन)
6. चिन्तन-मनन (नियमित डायरी लिखना)
7. मौन (अनावश्यक नही बोलना एवं किसी निश्चित समय पर मौन रहना)
8. समाधि (रात को सोने से पूर्व इष्ट का स्मरण करना और दिनभर में संघ के लिए क्या किया, उसके बारे में चिंतन करना)

संघप्रमुख श्री ने कहा कि जब तक हम पूज्य तनसिंह जी बन कर संघ के कार्य को नही करेंगे, तब तक संघ का कार्य गति नही पकड़ेगा। अगले दिन प्रातः प्रार्थना के बाद यमुना नदी के किनारे सामुहिक खेल खेले गए व सहगायन पर नृत्य का आनंद लिया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने रमण रेती कुंड में तैराकी की एवं कृष्ण जन्मभूमि के दर्शन कर वृन्दावन प्रस्थान किया। निधिवन में उन स्थानों को देखा जहाँ श्री कृष्ण ने रास लीला की थी। इस्कॉन मन्दिर व प्रेम मंदिर के दर्शन के पश्चात सभी वापिस जयपुर के लिए रवाना हुए। इस भ्रमण शिविर में केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ, जयपुर सम्भाग प्रमुख राजेन्द्र सिंह बोबासर व पूर्वी राजस्थान सम्भाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया भी साथ रहे।

नागोला में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की अजमेर टीम की दो दिवसीय कार्यशाला नागोला (भिनाय) के श्रीराम भवन में 27- 28 अप्रैल को संपन्न हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेंवत सिंह पाटोदा ने अजमेर-केकड़ी जिले में फाऊंडेशन के कार्य का विस्तार करने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की एवं बताया कि हम सभी लोग मिलकर लगातार काम करते रहेंगे तभी परिणाम आएगा। बैठक में अजमेर-केकड़ी जिला टीम द्वारा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई एवं वर्ष भर के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां, वरिष्ठ स्वयंसेवक भगवान सिंह जी देवगांव, भरत सिंह सापुण्दा, गिरधर सिंह छाबड़िया, घनश्याम सिंह नागोला, दिग्विजय सिंह कनोज, भंवर सिंह खिरिया, भगवान सिंह निमोद, भंवर सिंह बिलिया, फाउंडेशन के जिला प्रभारी देशराज सिंह लिसाडिया आदि उपस्थित रहे।

लुणदा में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन

उदयपुर जिले के लुणदा, कानोड़ में स्थित श्री राम मन्दिर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम 28 अप्रैल को आयोजित हुआ। सामूहिक यज्ञ के पश्चात संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला द्वारा संघ एवं पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया गया। उन्होंने 08 से 11 जून तक श्री केरेश्वर महादेव जी में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के बारे में भी चर्चा की। इसके बाद उदपुरा, मालनावास, नीमडी आदि गांवो में संपर्क किया गया। इस दौरान स्थानीय सहयोगी व समाजबंधु साथ में रहे।

माननीय संरक्षक श्री पहुंचे रणधा

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर 24 अप्रैल को संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक प्रेम सिंह रणधा की पुत्री की शादी में रणधा (जैसलमेर) पधारे एवं वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

डिगाड़ी (जोधपुर) में स्नेहमिलन का आयोजन

जोधपुर के डिगाड़ी में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम 18 अप्रैल को समुद्र सिंह आचीना के निवास पर आयोजित हुआ। जोधपुर शहर प्रांतप्रमुख भरतपाल सिंह दासपा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित आत्मीयजनों को श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया और कहा कि जिस प्रकार हम अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक कर्त्तव्यों का पालन निष्ठापूर्वक करते हैं उसी प्रकार अपने सामाजिक दायित्व का भी हमें निर्वहन करना चाहिए। समाज को संगठित करने में सहयोग देकर ही हम इस दायित्व का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने सभी को प्रांत में हो रही सांघिक गतिविधियों के बारे में भी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थित रही।

जयपुर संभाग का मासिक स्नेहमिलन संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर संभाग का मासिक स्नेहमिलन कार्यक्रम गणेश विहार, सीकर रोड, राजावास, जयपुर में 28 अप्रैल को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सीकर रोड क्षेत्र में रहने वाले समाजबंधु सम्मिलित हुए। नरेंद्र सिंह निभैडा, मनोहर सिंह जालिम सिंह का बास, विश्वप्रताप सिंह विजयपुरा, दयाल सिंह श्यामपुरा, सीमा कंवर, महावीर सिंह गोविंदपुरा आदि ने कार्यक्रम में अपने विचार रखे और श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्कार निर्माण के कार्य में सहभागी होने की बात कही। प्रवीण सिंह विजयपुरा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए इटावा भोपजी में आयोजित होने वाले बालकों के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के बारे में जानकारी दी। अगला मासिक स्नेहमिलन सदाविहार - प्रथम कॉलोनी, टोडी मोड, हरमाड़ा क्षेत्र में आयोजित करने का निर्णय हुआ।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव और हमारा राजनीतिक व्यवहार

लोकसभा चुनाव के दो चरण समाप्त हो चुके हैं और जिस दिन यह अंक पाठकों के पास पहुंचेगा उस दिन तक तीसरा चरण भी समाप्त हो जाएगा। इन चुनावों में अनेक बातें भी स्पष्ट हो रही हैं। समाज के रूप में हमने किस प्रकार इन चुनावों में मतदान किया, हमारे आक्रोश को हमने किस रूप में अभिव्यक्त किया और उस अभिव्यक्ति का चुनाव के अंतिम परिणामों पर क्या प्रभाव रहेगा, ऐसी अनेक बातें चुनाव परिणामों के विश्लेषण से सामने आएंगी। तात्कालिक परिणामों की सापेक्षता के आधार पर तो इस प्रकार का विश्लेषण किया ही जाएगा लेकिन उससे पहले भी चुनावों के दौरान समाज के विभिन्न अंशों के रूप में हमारे द्वारा किए गए व्यवहार का विश्लेषण करना आवश्यक है क्योंकि दीर्घकालीन परिणाम की दृष्टि से एक समाज के रूप में हमारे राजनीतिक व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है।

वर्तमान चुनावों में समाज के सामने यह बात पूरी तरह से स्पष्ट थी कि भारतीय जनता पार्टी, जिसे हमारा समाज सदैव से एकतरफा समर्थन देता आया है, के द्वारा की जा रही लगातार उपेक्षा और तिरस्कार पूर्ण व्यवहार के कारण पूरे समाज में पीड़ा थी और वह पीड़ा भाजपा के खिलाफ आक्रोश में परिवर्तित हुई। इसलिए समाज में इस आक्रोश को लोकतांत्रिक तरीके से व्यक्त करने के लिए भाजपा के विरोध में मतदान करने की एक चेतना जागृत हुई और विभिन्न माध्यमों से यह चेतना पूरे समाज में प्रसारित हुई। लेकिन अलग-अलग भूमिकाओं में रहते हुए समाज के विभिन्न अंशों ने किस प्रकार इस चेतना की अनुपालना या अवहेलना की, इस पर चिंतन अवश्य किया जाना चाहिए।

इन चुनावों में कतिपय क्षेत्रों में भाजपा ने हमारे समाज के नेताओं को प्रत्याशी बनाया, ऐसे में हमें समस्त विरोध को दरकिनार कर उन प्रत्याशियों का समर्थन ही नहीं बल्कि सक्रिय सहयोगी बनना था और कुछ अपवादों को छोड़कर हमने ऐसा किया भी, जो हमारी राजनीतिक परिपक्वता का द्योतक है। हम अपने समाज के उन राजनेताओं की बात करें जो भारतीय जनता पार्टी में स्थापित हैं, सक्रिय भूमिका में कोई न कोई दायित्व निभा रहे हैं और जिनका राजनीतिक भविष्य पार्टी के साथ जुड़ा हुआ है। ऐसे राजनेताओं की यह विवशता है कि जिस राजनीतिक दल में वह महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, उस दल के निर्देशानुसार उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रचार के लिए भी जाना पड़ता है और पार्टी लाइन के अनुसार ही वक्तव्य और प्रतिक्रियाएं भी देनी पड़ती हैं। विशेषतः वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी में जिस प्रकार का अधिनायकवादी वातावरण है, उसमें किसी भी नेता का पार्टी में रहते हुए पार्टी लाइन से बाहर जाकर कोई कार्य करना कठिन है। ऐसे में हमें समाज के उन राजनेताओं के प्रति किसी भी प्रकार के विरोध से बचना आवश्यक था जिन्हें पार्टी के निर्देशानुसार पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन के लिए प्रचार किया। एक जागरूक मतदाता के रूप में हमें बिना उनसे प्रभावित हुए समाज के सामूहिक निर्णय के अनुरूप मतदान करना था, साथ ही अपनी दलगत और राजनीतिक विवशताओं से बंधे अपने समाज के नेताओं के अतार्किक और अविवेकपूर्ण विरोध से भी बचना था। ऐसा हम किस सीमा तक कर पाए हैं, यह हमारे लिए विचार करने की बात है।

अनेक स्थानों पर भाजपा प्रत्याशी के सामने वाला उम्मीदवार हमारे समाज का अधिक विरोधी था या उस क्षेत्र का भाजपा प्रत्याशी हमारे समाज के अधिक अनुकूल था, ऐसे में समाज के लोगों ने उसका सहयोग किया, उसे भी हम भाजपा विरोध की सामाजिक चेतना के विरुद्ध नहीं मान सकते क्यों कि यदि हम हमारे सहयोगी और समर्थक का ही विरोध करते तो अपनी ही हानि करते। ऐसे स्थानों पर समाज के लोगों ने समझदारी पूर्वक संबंधित प्रत्याशी को अपना एतराज दर्ज करवा कर सहयोग किया, जो वरेण्य है।

एक श्रेणी हमारे समाज के उन लोगों की है जो भारतीय जनता पार्टी के दायित्वाधीन कार्यकर्ता तो नहीं हैं, लेकिन उसके समर्थक हैं। ऐसे लोगों की कोई राजनीतिक अथवा दलगत विवशता नहीं थी लेकिन फिर भी ऐसे अनेक लोग समाज की सामूहिक चेतना के साथ खड़े न होकर विशेष दल के प्रति अपने समर्थन से ही बंधे रहे, भले ही उनके समर्थन के कारण उस दल द्वारा की जा रही समाज की उपेक्षा को बल मिलता हो। दल विशेष के प्रति अपनी पसंद के कारण समाज के साथ ना खड़ा हो पाना वास्तव में सामाजिक अपरिपक्वता और अदूरदर्शिता है क्योंकि इस प्रकार का अंधसमर्थन ही राजनीतिक दलों को हमारे समाज की उपेक्षा करने का साहस देता है। इस अपरिपक्वता और अदूरदर्शिता को दूर करने का उपाय यही है कि उन व्यक्तियों में, जो इस प्रकार से राजनैतिक दलों के अंधसमर्थन में लगे हैं, सामाजिक भाव को जागृत और प्रबल किया जाए।

पूर्वोक्त श्रेणियों से निम्नतर श्रेणी में वे लोग हैं जो न केवल समाज विरोधी दल के समर्थक बने रहे, बल्कि इस समर्थन की सार्वजनिक घोषणा भी करते रहे और समाज के साथ खड़े होने की बजाय राजनीतिक दल के साथ खड़े होने को अधिक महत्वपूर्ण मानते रहे। इस प्रवृत्ति के मूल में वास्तव में ऐसे लोगों के निजी हित और स्वार्थ होते हैं जिनके कारण वे सत्ता के साथ रहने का प्रयास करते हैं। वे सत्ता से लाभ लेने की आकांक्षा में सत्ताधारियों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करते हैं, भले ही इसकी कीमत समाज को चुकानी पड़ती हो। इस प्रकार की स्वार्थपरता वास्तव में समाज की बहुत गहरी समस्या है और इसका समाधान समाज के व्यक्तियों में त्याग, संयम और अनुशासन जैसे गुणों के निर्माण से ही संभव है जिसके लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ निरंतर कार्य कर रहा है। यह दूरगामी और दीर्घकालीन उपाय है लेकिन तब तक भी ऐसी स्वार्थपरता को हतोत्साहित करने के लिए समाज द्वारा अपने सामूहिक अंकुश का एक सीमा तक प्रयोग अवश्य किया जाना चाहिए ताकि व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए समाज के विरुद्ध जाने की इस निंदनीय प्रवृत्ति का प्रसार समाज में न हो। सबसे निम्नतम कोटि में वह व्यवहार आता है जब कोई व्यक्ति विशेष राजनीतिक दल के प्रति अपने व्यक्तिगत समर्थन और निष्ठा को सामाजिक समर्थन और निष्ठा का स्वरूप देने का प्रयास करता है। इन चुनावों में भी अनेक स्थानों पर ऐसा किया गया जब भाजपा के विरुद्ध सामाजिक आक्रोश होते हुए भी भाजपा में अपना भविष्य बनाने के लिए कुछ लोगों ने समाज को सीढ़ी बनाने का प्रयत्न किया और समाज के प्रतिनिधित्व का झूठा दावा करते हुए समाज के विरोधियों के पक्ष में जा खड़े हुए। कुछ गिनती के लोगों को साथ लेकर, बैठक करके उसके विडिओ बनाकर उन्हें प्रसारित कर यह दर्शाने का प्रयास किया गया कि भाजपा के प्रति समाज में कोई आक्रोश नहीं है और इस विषय पर हमारा समाज एकमत न होकर विखंडित है। अपनी व्यक्तिगत स्वार्थों को सामाजिक रूप देकर प्रदर्शित करने के ऐसे दृष्टांत पहले भी सामने आते रहे हैं जब समाज किसी दल या व्यक्ति के प्रति आक्रोशित हुआ और कुछ स्वार्थी लोग स्वयं को समाज का प्रतिनिधि बताकर उस व्यक्ति अथवा दल के प्रति उस आक्रोश को प्रभावहीन बनाने के लिए अपना सार्वजनिक समर्थन घोषित करते रहे। ऐसे लोगों से हमें सावधान रहने की आवश्यकता है और इस बात का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है कि समाज के समर्थन का लाभ कोई भी अपने व्यक्तिगत स्वार्थ और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए ना कर सके। समाज सापेक्ष राजनीतिक व्यवहार की यह अनिवार्य शर्त है कि हम किसी भी दल अथवा व्यक्ति के अंधसमर्थन या अंधविरोध की प्रवृत्ति से बाहर निकलें, भावुकता में बहने की बजाय व्यावहारिक और विवेकपूर्ण ढंग से सोचें और व्यक्तिगत पसंद-नापसंद को छोड़कर समाज की सामूहिक चेतना के प्रति नमनशील बनकर समाज के निर्णय का सम्मान करें। यदि हम ऐसा करते हैं तो लोकतांत्रिक राजनीति में एक समाज के रूप में हमारा महत्व राजनीतिक दलों की दृष्टि में बढ़ेगा और वे हमारी उपेक्षा न करने पर भी विवश होंगे।

टिकमापुर (उत्तरप्रदेश) में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर

श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उत्तरप्रदेश के कानपुर जिले के टिकमापुर में 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन जितेंद्र सिंह सिसरवादा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य समाज को संगठित करने का है। संगठित होकर ही हम शक्तिशाली बन सकेंगे और शक्तिशाली बनकर ही हम क्षत्रिय धर्म का पालन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम स्वयं मजबूत बनें

और समाज को मजबूत करें। यह नियमित अभ्यास से ही संभव है। संघ की शाखा और शिविर इस अभ्यास का अवसर उपलब्ध कराते हैं। इसलिए जिस क्षेत्र में आप रहते हैं, वहां शाखा प्रारंभ करें और श्री क्षत्रिय युवक संघ के विचार दर्शन को सभी तक पहुंचाएं। शिविर में क्षेत्र के 25 बालकों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यशवीर सिंह और मनबोधन सिंह ने व्यवस्था में सहयोग किया।

विभिन्न स्थानों पर मनाया वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समारोह

वीर कुंवर सिंह फाउंडेशन (दिल्ली) के तत्वावधान में 23 अप्रैल को दिल्ली में रफी मार्ग पर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में 'वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समारोह' का आयोजन किया गया जिसमें वीर कुंवर सिंह के योगदान को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 1857 की क्रांति के ऐसे योद्धा थे जिनसे अंग्रेज भी थर-थर कांपते थे। कुंवर सिंह जन-जन के नेता थे जिनकी लोकप्रियता ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के महान नायक के रूप में स्थापित किया। ऐसे देशप्रेमी योद्धा के जीवन से हमें राष्ट्रप्रेम, वीरता और त्याग की प्रेरणा लेनी चाहिए। वीर कुंवर सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष निर्मल सिंह ने कहा कि आज हमारी युवा पीढ़ी की मानसिकता मनोरंजन प्रधान बन रही है। सोशल मीडिया और रील्स के दौर में हमारे पूर्वजों के संघर्ष और बलिदानों की स्मृति खोती जा रही है। अपने इतिहास और संघर्ष की स्मृति से विहीन होकर कोई राष्ट्र ठोस भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि इसीलिए हम आज यह विजयोत्सव मना रहे हैं, ताकि इसके माध्यम से नई पीढ़ी हमारे इतिहास के नायकों के बलिदानों को जानें और उनसे प्रेरणा ले सके। कार्यक्रम को रामकृष्ण मिशन के स्वामी सर्वलोकानंद, आईएएस रश्मि सिंह, साहित्यकार कुमार नरेंद्र सिंह, आईसीसीआर के महानिदेशक कुमार तुहिन और प्रोफेसर मुन्ना पांडे ने भी संबोधित किया और वीर कुंवर सिंह के बलिदान से प्रेरणा लेकर अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का आह्वान किया। झारखंड में उत्तरी छोटा नागपुर क्षत्रिय महासंघ द्वारा भी कोडरमा स्थित क्षत्रिय धर्मशाला और झुमरी तलैया स्थित तिलैया बस्ती के बगीचा मैदान में बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव मनाया गया। महासंघ के अध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह ने वीर कुंवर सिंह को सभी समाजों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता बनाए रखने में क्षत्रियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अतिरिक्त मेदिनीनगर, कजरी गांव, पाटन मोड़ व हुसैनाबाद में भी विजयोत्सव का आयोजन किया गया और बाबू वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। बिहार के नवादा में क्षत्रिय युवा संघ के तत्वावधान में विजयोत्सव मनाया गया जिसमें नवादा जिले के विभिन्न गांवों से समाजबंधु सम्मिलित हुए। बिहार के अररिया जिले के फारबिसगंज फैंसी मार्केट स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह प्रतिमा स्थल पर अररिया जिला क्षत्रिय समाज की ओर से बाबू वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव समारोह मनाया गया। क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार सरकार के मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह बहुत बड़े योद्धा थे और भारत की आजादी की लड़ाई में उनका अहम योगदान था। उन्होंने नई पीढ़ी को उनकी जीवनी को पढ़ने को प्रेरित किया, साथ ही बाबू वीर कुंवर सिंह के आचरण को जीवन में उतारने की नसीहत दी। कार्यक्रम में अभिषेक सिंह, अंजनी सिंह, अनुज प्रभात, संजय कुमार, सुधीर कुमार, पवन सिंह, अमरेंद्र कुमार, मोती खान, भाजपा नगर अध्यक्ष रजत कुमार सिंह सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद रहे। गिरिडीह (झारखंड) में भी जिला क्षत्रिय कल्याण समाज गिरिडीह द्वारा 23 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव दिवस सुभाष पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मनाया गया। जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से समाजबंधु पहुंचे। यहां से सभी वीर कुंवर सिंह चौक पहुंचे और कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राज्यपाल को भेंट किया चित्रकथाओं का संग्रह

कलाकार व चित्रकथाकार खरेड़ा निवासी ब्रजराज राजावत ने 5 अप्रैल को राज्यपाल श्री कलराज मिश्र से राजभवन में मुलाकात कर अपने द्वारा सृजित चित्रकथाओं की पुस्तकों का संग्रह भेंट किया। इनमें 'राष्ट्र नायक सुभाष चन्द्र बोस', 'राष्ट्र उन्नायक आचार्य शंकर', 'वीर सावरकर' और 'रानी पद्मिनी और गोरा–बादल' चित्रकथा पुस्तकों की प्रतियां शामिल है। ब्रजराज ने राज्यपाल को अपने लेखन और कलाकर्म के बारे में भी जानकारी दी। राज्यपाल ने उनकी सृजनात्मकता और कौशल की सराहना की। इस अवसर पर साहित्यिक संस्था 'आखर' के संयोजक प्रमोद शर्मा और फिल्मकार सुरेश मृदगल भी उपस्थित रहे।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	उ.प्र.शि	18.05.2024 से 29.05.2024 से	**राधेजा, जिला- गांधीनगर।** गांधीनगर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राधेजा, जिला-गांधीनगर। शिविर स्थल गांधीनगर से 12 किमी, साबरमती रेलवे स्टेशन से 33 किमी व कालुपुर रेलवे स्टेशन से 37 किमी दूर स्थित है।
02.	मा.प्र.शि (बालिका)	23.05.2024 से 29.05.2024 से	**काणेटी जिला - अहमदाबाद** प्राथमिक शाला काणेटी, तहसील - साणंद, जिला - अहमदाबाद। शिविर स्थल साबरमती रेल्वे स्टेशन से 30 किमी व असारवा रेल्वे स्टेशन से 30 किमी दूर स्थित है।

नोट:- उ. प्र. शि. बालक हेतु योग्यताएं: शिविरार्थी दो प्रा. प्र. शि. एवं एक मा. प्र. शि. किया हुआ हो तथा 10 वीं की परीक्षा दे चुका हो। 50 वर्ष से अधिक आयु वालों को शिक्षण के सहयोगी के रूप में आवश्यक होने पर बुलाये जाने पर ही आना है। निर्देशिका के अनुरूप गणवेश व अन्य सामग्री अनिवार्य है। धोती कुर्ता व केसरिया साफा भी लाना है। बीच में आने वाले केवल 23 मई को ही आ सकते हैं।

मा. प्र. शि.बालिका हेतु योग्यताएं : तीन शिविर किए हुए हों एवं 10 वीं की परीक्षा दी हुई हो। आयु 16 से 30 वर्ष के बीच हो। 30 वर्ष से अधिक आयु वालों को शिक्षण की आवश्यकता के अनुसार बुलाये जाने पर ही आना है। केशरिया गणवेश एवं निर्देशिका में वर्णित अन्य सामग्री लाना आवश्यक है। सायंकालीन प्रार्थना की गणवेश के लिए केशरिया साड़ी या केशरिया लहंगा ओढणी लेकर आना आवश्यक है।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

मारोठ में समारोह पूर्वक मनाई राजा रघुनाथ सिंह की जयंती

नागौर जिले की ऐतिहासिक मारोठ नगरी के संस्थापक राजा रघुनाथ सिंह की 423वीं जयंती 21 अप्रैल को मारोठ में समारोह पूर्वक मनाई गई। श्री रघुनाथ सिंह जी सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक सार्दुल सिंह गोविंदी ने की। कार्यक्रम को श्रवण सिंह बगड़ी (भाजपा प्रदेश महामंत्री), महिपाल सिंह मकराना (अध्यक्ष राष्ट्रीय करणी सेना), मानसिंह किनसरिया (पूर्व विधायक परबतसर), सुरेंद्र सिंह कांसेड़ा, गणपत सिंह, शंकर सिंह दौलतपुरा आदि ने संबोधित किया और कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए शिक्षा और संस्कार को महत्त्व देना होगा। सभी ने महापुरुषों को स्मरण करने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की भी बात कही। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाली समाज की 60 प्रतिभाओं का स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान भी किया गया। महेंद्र सिंह खुशियां के सौजन्य से जयंती के उपलक्ष्य में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। कार्यक्रम में महेंद्र प्रताप सिंह (सरपंच पंचोता), भगवान सिंह रसाल, ओम सिंह लिचाना (पंचायत समिति सदस्य), श्री रघुनाथ सिंह जी सेवा संस्थान के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राजलिया सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। ध्यातव्य है कि संवत 1659 में नागौर जिले की डेगाना तहसील में आने वाले पुंदलोता गांव में सांवलदास जी के घर जन्मे रघुनाथ सिंह ने अपने पराक्रम से हरसी, हरसौल, नारनौल और गौड़ावाटी का राज्य प्राप्त किया और संवत 1712 में उन्होंने गौड़ावाटी की राजधानी के रूप में मारोठ नगर को बसाया। उन्होंने क्षेत्र में धर्मशालाएं, बावड़ी, मंदिर आदि बनवाए एवं जनहित के अनेकों कार्य किए, जिनके लिए क्षेत्र की जनता आज भी उन्हें ससम्मान स्मरण करती है और सभी क्षेत्रवासी मिलकर उनकी जयंती मनाते हैं।

राजपूताना विद्युत क्लब जोधपुर का होली स्नेहमिलन

राजपूताना विद्युत क्लब की जोधपुर शाखा द्वारा 14 अप्रैल को जोधपुर में होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। जोधपुर में पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में जोधपुर संभाग में विद्युत विभाग में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त राजपूत अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को मोहन सिंह इन्दा (सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियन्ता), तगत सिंह बालोत (सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियन्ता), अनिरुद्ध सिंह शेखावत (सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियन्ता), गायड़ सिंह राठौड़ (अधिशाषी अभियन्ता), मोहन सिंह राठौड़ (सेवानिवृत्त सहायक अभियन्ता), भोम सिंह राठौड़ (सेवानिवृत्त सहायक अभियन्ता) आदि ने संबोधित किया और कहा कि बिजली विभाग ऐसा विभाग है जो आम आदमी की जरूरत पूरी करता है। इस विभाग में रहते हुए हम समाज के कितना काम आ सकते हैं, इस पर हमें चिंतन करना चाहिए और मिलकर जरूरतमंद समाजबंधुओं का सहयोग करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में जोधपुर संभाग के लगभग 80 कर्मचारियों के साथ राजपूताना विद्युत क्लब जयपुर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

क्षत्रिय...

हमने पहले जन्मों में कोई महत्वपूर्ण कर्म किए हैं इसलिए ही हमें राम और कृष्ण के इस कुल में जन्म मिला है। इसके महत्व को हमें समझना होगा। लेकिन उससे भी पहले यह जानना होगा कि क्षत्रिय होने का अर्थ क्या है। क्या राजपूत होना ही क्षत्रिय होना है? क्या केवल राजपूत के घर में जन्म लेने से ही हम क्षत्रिय बन गए? ऐसा कदापि नहीं है। हम यह दावा कर सकते हैं, इस बात का अहंकार भर सकते हैं कि हमको भगवान ने क्षत्रिय के घर में जन्म दिया है, लेकिन क्षत्रिय का यदि अर्थ हम नहीं जानते हैं, केवल मूंछे बढ़ाकर या साफा पहनकर ही क्षत्रिय बनना चाहते हैं तो उसका किसी प्रकार का कोई महत्व नहीं है। क्षत्रिय का अर्थ जानने के लिए हमको शास्त्रों का अध्ययन करना पड़ेगा। शास्त्रों में क्षत्रिय का जो अर्थ बताया गया है वह है - क्षतात् त्रायते इति क्षत्रिय। अर्थात जो क्षय होने से बचाता है, जो नष्ट होने से बचाता है वह क्षत्रिय है। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि - परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम्। जो सज्जनों की रक्षा करता है, जो दुष्ट जनों का संहार करता है, वह क्षत्रिय होता है। हम हमारे अंदर झांक कर देखें कि हम कितना किसी को क्षय होने से, नष्ट होने से बचाते हैं, हम कितने सज्जनों की रक्षा करते हैं और हम कितने दुष्ट प्रवृत्ति वाले लोगों का संहार करते हैं। हम व्यक्ति के रूप में, परिवार के रूप में, समाज के रूप में सोचें कि क्या हम इस प्रकार का काम कर पा रहे हैं? यदि हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो हम क्षत्रिय नहीं है। हमको क्षत्रिय कुल में जन्म मिला है तो हमको उस क्षत्रियत्व की ओर बढ़ना होगा, राम और कृष्ण की ओर हमें बढ़ना होगा जिन्होंने क्षात्रधर्म का पालन किया। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख माननीय श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 17 अप्रैल को गांधीनगर के निकटवर्ती पालज गांव में आयोजित सामंत सिंह बिहोला की मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि क्षात्रधर्म का पालन करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है। बिना शक्ति के ना सज्जनों की रक्षा की जा सकती है, ना दुष्टों का संहार किया जा सकता है और ना किसी को नष्ट होने से हम बचा सकते हैं। गीता में क्षत्रिय के सात गुण बताए गए हैं, उन गुणों को धारण करने वाला ही वास्तव में क्षत्रिय है। वे गुण हैं - शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्ष से पीछे न हटना, दान और ईश्वरीय भाव। हम विचार करें, क्या हममें सामंत सिंह बिहोला जैसा शौर्य है जिन्होंने अहमदशाह जैसे मदांध शासक को भी नाकों चने चबवा दिए। यदि वह शूरवीरता हमारे अंदर नहीं है तो हम क्षत्रिय बनने योग्य नहीं है। क्या शूरवीरता के संस्कार आज हमारी माताएं हमारे बच्चों को देती हैं? आज यदि हमारा बच्चा हमारी जरा सी बात नहीं मानता है तो हम उसको डराने के लिए कह देते हैं कि बिल्ली आ जाएगी। क्या इससे उनमें शौर्य जाग सकता है? हमें विचार करना चाहिए कि हम अपने बच्चों को किस प्रकार के संस्कार दे रहे हैं। हमारा वह तेज कहां चला गया जिससे हमारे सामने आते ही शत्रु भयभीत हो जाता था? वह धैर्य कहां है जिस धैर्य के साथ राम ने 14 वर्ष के वनवास को बिताया? आज तो कुछ घंटे के कार्यक्रम में भी बैठने का धैर्य हमारे भीतर नहीं है। जब शौर्य, तेज और धैर्य हमारे भीतर आ जाएगा तब हमारे भीतर दक्षता आएगी। कोई भी काम हमें दिया जाए तो उसमें हम दक्ष हो जाएं, ऐसी हमारी प्रवृत्ति होनी चाहिए। पांचवा गुण है - युद्ध से पलायन नहीं करना। इसका अर्थ है कि किसी भी प्रकार की चुनौती हमारे सामने आ जाए, उस चुनौती को स्वीकार करना, उससे पीछे नहीं हटना। अगला गुण है - दान। दान का मूल है त्याग। जिस कारण से क्षत्रियों को सर्वोपरि माना जाता है, वह त्याग ही माना जाता है। हमारे पूर्वजों का इतिहास उठाकर देखें तो हमको पता चलेगा कि आज तक हमारे महापुरुष, जिनकी मूर्ति स्थापना की जाती हो, जिनका सुबह उठकर नाम लिया जाता हो, चाहे वह महाराणा प्रताप हो, चाहे वह दुर्गादास जी हो, चाहे वह सामंत सिंह जी हो, चाहे राम और कृष्ण हों, उनका पूरा जीवन त्याग पर आधारित है। अंतिम गुण है - ईश्वरीय भाव। सभी लोगों को, समस्त संसार को अपना मानना। ईश्वर के समान सभी के कल्याण में रत रहना। हमारे पूर्वजों ने इसी ईश्वरीय भाव के साथ प्रजा की रक्षा की इसीलिए आज उन्हें पूज्य माना जाता है। हमें स्वयं को इस कसौटी पर कसना चाहिए कि इन सात गुणों में से हमारे जीवन में कितने गुण हैं। यदि ये गुण हमारे जीवन में नहीं हैं तो हमें इन्हें अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए, तभी हम स्वयं को क्षत्रिय कहने के अधिकारी होंगे। श्री क्षत्रिय युवक संघ इन गुणों के अभ्यास का मार्ग हमें उपलब्ध कराता है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सामंत सिंह जी जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर हमें अपने कर्तव्य पथ पर चलना चाहिए। ऐसे महापुरुष की मूर्ति गांधीनगर जैसे महत्त्वपूर्ण शहर में लगी है, जिससे यहां से गुजरने वाले हर एक व्यक्ति की दृष्टि इस पर पड़ेगी सभी उनसे प्रेरणा लेंगे। हमारे आने वाली पीढ़ी को भी इस मूर्ति से प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे समाज के सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिनका सामना हम संगठित होकर ही कर सकते हैं। यदि हम संगठित होंगे तो कोई भी हमारी उपेक्षा नहीं कर सकता, न ही कोई हमारा अपमान कर सकता है। इसलिए आपसी मतभेदों को भुलाकर हमें समाज में एकता स्थापित करने के लिए कार्य करना चाहिए। बिहोला राजपूत समाज के मूल पुरुष सामंत सिंह जी बिहोला की मूर्ति अनावरण का यह कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 तक आयोजित हुआ। इसके पश्चात गुजराती भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। बिहोला राजपूत समाज मूल रूप से वाघेला सोलंकी शाखा से निकले हुए हैं। इस वंश के कुल 84 गांव हैं जिनमें से कुछ राजस्थान के डूंगरपुर के आसपास भी बसे हैं। इन सभी गांवों से समाजबंधु कार्यक्रम में सम्मिलित होने पहुंचे। कार्यक्रम में अहमदाबाद स्थित जगन्नाथ मंदिर के दिलीप दास जी महाराज, सानंद के शंकरातीर्थ मंदिर के आनंददास जी महाराज एवं स्वामीनारायण संस्था के संतों का आशीर्वचन भी प्राप्त हुआ। विधायक सी जे चावड़ा, दाता रियासत के रिद्धिराज सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बिहोला राजपूत समाज के कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली गई। कर्ण सिंह बिहोला ने मंच संचालन किया।

अस्मिता महासम्मेलन में समाज के आक्रोश की अभिव्यक्ति

(पेज एक से लगातार)....

समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से गठित की गई संकलन समिति के आह्वान पर आयोजित इस अस्मिता महा सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि यदि समाज के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने वाले भाजपा प्रत्याशी का टिकट निरस्त करने, ईडब्ल्यूएस सरलीकरण करने, इतिहास का विकृतिकरण रोकने आदि समाज की विभिन्न मांगो पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है तो समाज गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीटों पर भाजपा के विरोध में मतदान करेगा। संकलन समिति के करण सिंह चावड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति से समाज बड़ा होता है इसलिए समाज की मांग पर भारतीय जनता पार्टी को ध्यान देना चाहिए। यदि वह ऐसा नहीं करती है तो भाजपा के विरुद्ध आंदोलन खड़ा करके इन लोक सभा चुनावों में उसके विरुद्ध मतदान करने का अभियान चलाया जाएगा। रामजुभा जाडेजा ने कहा कि पिछले कई वर्षों से राजपूत समाज की भावनाएं आहत की जा रही थी और उसी का परिणाम है कि आज इतनी बड़ी संख्या में समाज अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए इकट्ठा हुआ है। क्षत्रिय महिला मोर्चा की तृप्ति बा राउल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजपूत समाज अपनी महिलाओं के अपमान पर चुप नहीं रहेगा। हमारी माताओं ने जौहर करके अपने सम्मान की रक्षा की और भारतीय इतिहास को गौरवशाली बनाया। भाजपा नेता रूपाला द्वारा समाज की महिलाओं के प्रति की गई टिप्पणी निंदनीय है और भाजपा द्वारा उसके विरुद्ध कोई कार्रवाई न करके उसका समर्थन किया जा रहा है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम अपनी एकता से समाज के प्रति अन्याय और अपमान करने वालों को सबक सिखाएं। महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि क्षत्रिय समाज ने हमेशा राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए बलिदान दिया है। रूपाला का बयान उस बलिदान का अपमान है जिसे सहन नहीं किया जाएगा। गोहिलवाड़ राजपूत समाज के अध्यक्ष वासुदेव सिंह गोहिल, राजपूत समाज समन्वय समिति के अध्यक्ष गोवुभा दादा, वीरभद्र सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बारडोली में हुआ अस्मिता महासम्मेलन का आयोजन: इसी प्रकार 28 अप्रेल को गुजरात में सूरत के बारडोली स्थित केदारेश्वर महादेव मंदिर में क्षत्रिय अस्मिता महासम्मेलन का आयोजन गुजरात राजपूत संकलन समिति द्वारा किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा यज्ञ के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। प्रद्युमन सिंह जडेजा, अर्जुन सिंह ठिकरिया, दशरथ बा परमार, कृति बा परमार व करण सिंह चावड़ा आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि भाजपा प्रत्याशी रूपाल द्वारा दिया गया वक्तव्य समाज का अपमान है। ये हमारी अस्मिता का सवाल है। हम सभी को एक होकर समाज के विरोधियों को सबक सिखाना होगा। इसके लिए हमें अपने वोट का प्रयोग करना होगा। कार्यक्रम में बडी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

अपने आक्रोश...

क्या हमारे बच्चे ऐसे संस्कारित बन रहे हैं, जो आगे असली क्षत्रिय के रूप में उभर के आएंगे? क्या हमारे घर में इस प्रकार का वातावरण है जिससे दूसरे प्रभावित हों और प्रेरणा लें कि हमारे घर में भी ऐसा वातावरण हो? क्या मेरा एक-एक कदम उस मार्ग पर चल रहा है, जिस पर कोई उंगली नहीं उठा सकता? सभी हमारी प्रशंसा करें कि महिला हो तो ऐसी होनी चाहिए, माता हो तो ऐसी चाहिए, पत्नी हो तो ऐसी होनी चाहिए। ऐसा हो, तभी नारी की शक्ति का सदुपयोग होगा। उपर्युक्त बात श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने 14 अप्रैल को संघशक्ति में आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को सामने रखते हुए कहा कि आज की स्थिति में लोग हमको कहते हैं कि ये बीजेपी विरोधी हो गए, लेकिन वास्तव में सत्य तो यह है कि बीजेपी हमारी विरोधी हो गई है। पिछले अनेक वर्षों से जो राजपूत जाति एकतरफा बीजेपी की तरफ जाती थी, उसकी बिल्कुल उपेक्षा हो रही है। हमारे जनप्रतिनिधित्व को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है। ईडब्ल्यूएस सरलीकरण के लिए भी हमने बार-बार निवेदन किया है लेकिन अभी तक सुना नहीं गया। हमारे इतिहास का विकृतिकरण हो रहा है, हमारे इतिहास के बारे में झूठी बातें लिखी जा रही है। लेकिन उसके विरुद्ध हम जो शिकायतें कर रहे हैं उन पर कोई सुनवाई नहीं है बल्कि जो इतिहास के बारे में झूठ लिख रहे हैं उनको ही प्रोत्साहित किया जा रहा है। ऐसा करके अलग-अलग समाजों में विद्वेष फैलाया जा रहा है। हम भारत के नागरिक हैं, क्या हम आपस में ऐसे ही उलझते रहेंगे या इसका कोई हल भी होगा? ऐसी हम शिकायतें करते हैं लेकिन कोई सुनता नहीं है। इससे स्पष्ट है कि वे हमारे विरोधी हो गए हैं, इसलिए हमने भी सोचा है कि ना हम बीजेपी के हैं, ना हम कांग्रेस के हैं, ना हम किसी और पार्टी के हैं, हम समाज के हैं। हम किसी भी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं हैं, हम मतदाता हैं। मतदाता अपना मत यह सोच कर देता है कि उसके मत का देश पर क्या प्रभाव होगा, उसके मत से आमजन पर और उसके समाज व परिवार पर क्या प्रभाव पड़ेगा। वह जिसमें इन सब का हित देखता है, उसको वोट देना चाहिए। यही मतदाता की समझदारी है। समाज के विरुद्ध जो भी बात हुई हो, चाहे वह गुजरात में हुई हो, चाहे वह मध्यप्रदेश में हुई हो, चाहे झुंझुनू में हुई हो, उससे निश्चित रूप से समाज में आक्रोश पैदा हो रहा है लेकिन इस आक्रोश को किधर लगाना है यह भी जरा सोचें। पार्टी कोई हो उससे कोई मतलब नहीं, हमें समाज के व्यक्ति को वोट देना है। हम हमारे आदमी को वोट देंगे, हम किसी दल को वोट नहीं देंगे। ऐसा करेंगे तो जिसको वोट देंगे, उसको यह भी कहा जा सकता है कि समाज के विरुद्ध कोई भी काम हो तो आपको आवाज उठानी होगी और यदि ऐसा नहीं करेंगे तो आपका कान पकड़ने वाला भी यह समाज ही होगा। यह हम तभी कर सकेंगे जब हम अपनी जिम्मेदारी को पूरा करें कि अपने समाज का व्यक्ति खड़ा है तो उसी को वोट देंगे, किसी दूसरे को नहीं देंगे। अनेक जगह ऐसी स्थिति है, जहां हमारे समाज का कोई व्यक्ति नहीं खड़ा है तो वहां हमें समाज के साथ अच्छा व्यवहार करने वाला, हमारी बात सुनने वाला जो व्यक्ति है, उसको अपना वोट देना है। जो हमारे समाज का विरोध करता है उसको वोट नहीं देंगे। हम यह सब बातें सोच कर वोट देना शुरू कर दें तो निश्चित रूप से हमारी जो आक्रोश की बातें हैं, वह एक शक्ति के रूप में बदलेगी और उस शक्ति से हमारी आज जो स्थिति है, उससे हम उभरेंगे। आज हमारे हृदय में जो ज्योति जग रही है, इस ज्योत को प्रज्वलित करो, इसमें ईंधन डालो और उसकी रक्षा करो। यह करते रहेंगे तो निश्चित रूप से हमारी सारी अड़चन दूर होगी, हमारा काम सफल होगा और हम आगे बढ़ेंगे। जयपुर शहर लोकसभा सीट पर समाज की स्थिति के बारे में चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई इस बैठक में जयपुर शहर में रहने वाली महिलाएं सम्मिलित हुई और समाज के प्रत्याशी के पक्ष में अधिकतम मतदान की योजना पर चर्चा की।

महेंद्रगढ़ (हरियाणा) में महाराणा प्रताप जयंती को लेकर बैठक

हरियाणा के महेंद्रगढ़ में स्थित राजपूत धर्मशाला में 21अप्रैल को राजपूत समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाराणा प्रताप जयंती मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। भारतीय पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास की तृतीया यानी 9 जून को जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। जयंती को भव्य रूप देने की तैयारियों के लिए क्षेत्र के जिम्मेवार लोगो की अहम बैठक भी जल्द ही आयोजित करने का निर्णय हुआ। विशाल रूप में मनाए जाने वाले इस जयंती समारोह में क्षेत्र के राजपूत समाज के 64 गांवों के लोगों की भागीदारी रहेगी। बैठक में महाराणा प्रताप चौक महेंद्रगढ़ एवं राजपूत धर्मशाला के प्रबंधन व रख-रखाव पर भी चर्चा की गई। सोनू सिंह राजपूत, विनोद पाली, जोगिंद्र, विष्णु पाली, रणधीर सिंह, दिनेश सहित अन्य समाजबंधु बैठक में उपस्थित रहे।

अरवल्ली प्रांत के गांवों में संपर्क यात्रा

मध्य गुजरात संभाग के अरवल्ली प्रांत में 28 अप्रैल को वाडथली, गैड, ऊंचा, धंबोलिया गांवों में सम्पर्क यात्रा की गई जिसमें समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में जानकारी दी गई। पूर्णचंद्रसिंह छेलीघोडी, सहदेव सिंह मुली, सहदेव सिंह मेघपर झाला, किशोरसिंह जस्का, डॉ. नागेन्द्रसिंह गेडा यात्रा में शामिल रहे।

डीपी सिंह बने कुलाधिपति

प्रख्यात शिक्षाविद् प्रोफेसर डीपी सिंह को टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई का कुलाधिपति नियुक्त किया गया है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे डी पी सिंह इससे पूर्व बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं यूजीसी के चेयरमैन भी रह चुके हैं।

वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनन्द सिंह बारू का निधन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक श्री **आनन्द सिंह बारू** का देहावसान 27 अप्रैल 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

आनन्द सिंह बारू

सिविल सर्विस सेवा परीक्षा में चयनित समाज की प्रतिभाएं

आकांक्षा सिंह

अनमोल राठौड़

अन्नपूर्णा

आशी तोमर

अजयसिंह राठौड़

अंजलि ठाकुर

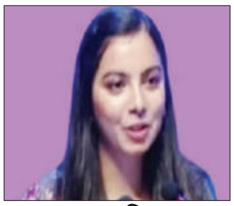
छाया सिंह

दीपेशसिंह कैड़ा

मृणालिका राठौड़

पुरुराजसिंह

सिद्धांत कुमार

तृप्तिसिंह

विरूपाक्ष विक्रमसिंह

यशवर्धनसिंह

संघ लोक सेवा आयोग ने 16 अप्रैल को सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम घोषित किया है। इन परिणामों में समाज के अनेक युवक-युवतियों ने भी सफलता प्राप्त की है, जिनमें से उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में कुमारी अनमोल राठौड़ ने अखिल भारतीय स्तर पर सातवां स्थान प्राप्त किया है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह कस्बे के सुदूर उदराना गांव की मूल निवासी अनमोल ने गत वर्ष जम्मू और कश्मीर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (जेकेसीसीई) 2022-23 में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अनमोल राठौड़ के पिता राजीव राठौड़ जेएंडके बैंक में मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त है एवं माता ज्योति राठौड़ जीडीसी किश्तवाड़ में प्राचार्य के पद पर कार्यरत है। 2016 में सीएलएटी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद अनमोल ने गुजरात के गांधीनगर में गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) से बीए एलएलबी की डिग्री हासिल की थी। जयपुर निवासी पुरुराज सिंह सोलंकी ने इस परीक्षा में 21वां स्थान प्राप्त किया है और आईएएस के लिए चयनित हुए हैं। पुरुराज के पिता महेंद्र सिंह सोलंकी राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम में अधिशासी अभियंता (लीगल) के पद पर कार्यरत हैं एवं माता जयपुर में शिक्षक है। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से केमिकल इंजिनियरिंग पूरी की है। आकांक्षा सिंह ने 44वां स्थान प्राप्त किया है। उत्तरप्रदेश के जिला आजमगढ़ के बूढ़नपुर तहसील की मूल निवासी आकांक्षा वर्तमान में बिहार में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। आकांक्षा के पिता चंद्र कुमार सिंह बिहार कैडर के पीसीएस अधिकारी रहे हैं। आकांक्षा ने बीए ऑनर्स दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस से करने के बाद जवाहरलाल यूनिवर्सिटी से एमफिल किया। विरूपाक्ष विक्रम सिंह ने सिविल सेवा परीक्षा में 49वां स्थान प्राप्त किया है। वे बिहार के जिला औरंगाबाद के सदर प्रखंड के जम्होर गांव के मूल निवासी हैं और उनके पिता विनीत विनायक आईपीएस अधिकारी हैं जो वर्तमान में सीबीआई के ज्वाइंट डायरेक्टर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उत्तरप्रदेश के जिला आजमगढ़ के पाकबड़ा के गांव ज्ञानपुर की मूल निवासी छाया सिंह ने सिविल सेवा परीक्षा में 65वां स्थान प्राप्त किया है। वर्तमान में ग्वालियर में निवासरत छाया के पिता छोटे सिंह भी प्रशासनिक सेवा में हैं एवं वर्तमान में मध्यप्रदेश के ग्वालियर मंडल में कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं। छाया इससे पूर्व भी सिविल सेवा परीक्षा में सफल हो चुकी है और पुणे में आईआरएस की ट्रेनिंग पूरी कर-के लद्दाख में प्रतिनियुक्त हुई है। उन्होंने पटियाला विश्वविद्यालय से एलएलएम की पढ़ाई की है। उत्तराखंड के देहरादून के निवासी दीपेश सिंह कैड़ा ने 86वां स्थान प्राप्त किया है। अपने तीसरे प्रयास में यह सफलता प्राप्त करने वाले दीपेश ने डीआईटी यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है। इनके पिता उत्तम सिंह कैड़ा सीएजी में अंकेक्षण अधिकारी है। प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर के रहने वाले अजेय सिंह राठौड़ ने 87वीं रैंक प्राप्त की है। उन्होंने गत वर्ष आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में 114वां स्थान प्राप्त किया था और आईपीएस में चयनित हुए थे। वे वर्तमान में हैदराबाद में प्रशिक्षण ले रहे हैं एवं इन्हें राजस्थान कैडर अलॉट हो चुका है। उन्होंने 2019 में जोधपुर एम्स से एमबीबीएस करने के पश्चात सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी प्रारंभ की। नागौर जिले की कुचामन सिटी तहसील के दीपपुरा गांव के मूल निवासी अजेय सिंह के पिता वकील है और माता गृहिणी है। बिहार के बांका जिले के लाहोरिया गांव की मूल निवासी अन्नपूर्णा सिंह पुत्री मुकेश सिंह ने 99वां स्थान प्राप्त किया है। अन्नपूर्णा ने बेंगलुरु से बीटेक किया है और वहीं से इनका चयन इंटेल कंपनी में हो गया था। इंटेल में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी चिप पर काम किया। कोविड के दौरान उन्होंने वह नौकरी छोड़कर सिविल सेवा की परीक्षा प्रारंभ की और चौथे प्रयास में यह सफलता प्राप्त की। सिविल सेवा परीक्षा में 125वीं रैंक प्राप्त करने वाली जयपुर निवासी मृणालिका राठौड़ मुलतः नागौर जिले के मोड़ी कलां (डेगाना) से हैं। उत्तरप्रदेश के गोंडा जिले में परसपुर विकासखंड के धौरहरा गांव की रहने वाली 23 वर्षीय तृप्ति कलहंस ने 199वीं रैंक हासिल की है। तृप्ति ने दिल्ली के कमला नेहरू कॉलेज से स्नातक किया है। इनके पिता नवरंग सिंह बैंक ग्राहक सेवा केंद्र संचालित करते हैं एवं माता नीरजा सिंह गृहिणी है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की मूल निवासी एवं वर्तमान में सूरत (गुजरात) में निवासरत अंजलि? ठाकुर ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में ईडब्ल्यूएस श्रेणी में 43वां स्थान प्राप्त किया है। 23 वर्षीय अंजलि के पिता जीवन बीमा निगम में एजेंट के रूप में काम करते हैं और माता गृहिणी है। अंजलि सिविल सेवा परीक्षा - 2022 में भी भारतीय डाक और दूरसंचार लेखा और वित्त सेवा में चयनित हुई थी एवं वर्तमान में फरीदाबाद में एजेएनआईएफएम अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण ले रही है। बिहार के बक्सर जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के मझरिया गांव के रहने वाले सिद्धांत कुमार ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी में 114वां स्थान हासिल किया है। सिद्धांत कुमार के पिता श्याम नंदन सिंह पटना के कंकड़बाग में हार्डवेयर की एक दुकान चलाते हैं। सिद्धान्त ने केरल से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बीटेक की डिग्री प्राप्त की। वे इससे पूर्व बिहार लोक सेवा आयोग की 66वीं सिविल सेवा परीक्षा में 5वां स्थान हासिल कर सहायक वाणिज्य कर आयुक्त के पद पर नियुक्त हुए थे। बदायूं के यशवर्धन सिंह चौहान ने प्रथम प्रयास में ही सफलता प्राप्त करते हुए 571वीं रैंक हासिल की है। यशवर्धन के पिता रविशरण सिंह बरेली के जय नारायण कॉलेज के प्रधानाचार्य रहे हैं एवं माता अर्चना चौहान बाला जी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बीसलपुर में प्रधानाचार्य के रूप में कार्यरत है। मध्य प्रदेश के भिंड जिले की निवासी आशी तोमर ने 632वां स्थान प्राप्त किया है। पथप्रेरक परिवार इन सभी प्रतिभाओं को उनकी इस सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

खेड़ा (मुजफ्फरनगर) में राजपूत समाज की महापंचायत का आयोजन

उत्तरप्रदेश के मेरठ जिले के खेड़ा गांव में 16 अप्रैल को राजपूत समाज की स्वाभिमान महापंचायत का आयोजन हुआ जिसमें विभिन्न सामाजिक विषयों के साथ भाजपा द्वारा क्षत्रिय समाज की उपेक्षा पर भी चर्चा की गई। महापंचायत में लोकसभा चुनावों में भाजपा के विरोध और बहिष्कार की घोषणा की गई और भाजपा प्रत्याशी को हराने वाले उम्मीदवार को वोट देने का आह्वान किया गया। खेड़ा ठाकुर चौबीसी

का गांव हैं जो मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र में आता हैं। ठाकुर पूरन सिंह ने बताया कि पंचों द्वारा लोकसभा चुनाव में भाजपा का बहिष्कार करने का निर्णय सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा सीट के लिए लिया गया है। महापंचायत में मुस्लिम राजपूतों सहित अन्य समाजों का सहयोग करने की भी बात कही गई।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org